आरती श्री सरस्वती जी की

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता ।
सद्‌गुण वैभव शालिनि, त्रिभुवन विख्याता ।। मैया जय...
चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी ।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ।। मैया जय...
बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला ।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ।। मैया जय...
देवि शरण जो आए, उनका उद्धार किया ।
पैठि मंथरा दासी, रावण संहार किया ।। मैया जय...
विद्या ज्ञान प्रदायिनी ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह, अज्ञान, तिमिर का, जग से नाश करो ।। मैया जय...
धूप दीप फल मेवा, मां स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ।। मैया जय...
मां सरस्वती की आरती, जो कोई नर गावे ।
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ।। मैया जय...

विवरण

जो सभी गुणों से सुसज्जित है एवं सम्पूर्ण जगत में विस्तृत हैं, ऐसी माता सरस्वती की हम जय-जयकार करते हैं । चन्द्रमा के समान जिनका उज्जवल बदन है एवं शुभ ही शुभ करने वाली हैं, ऐसी माता सरस्वती की संवारी हंस है तथा जो
अनुपम तेजस्वी हैं, ऐसी माता सरस्वती की बाएँ हाथ में वीणा एवं दाएँ हाथ में फूलों की माला धारण किए हुए रहती हैं ।

इनके सिर के मुकुट पर मणि अति शोभायमान होता है तथा गले में मोतियों की माला भी अनुपम शोभा बिखेरती है । जो भी उनके शरण में आता है, माँ सरस्वती उनकी सहायता करती हैं । दासी मंथरा के बुद्धि में बैठकर इन्होने रावण का नाश करा दिया । ये माँ सरस्वती विद्या एवं

ज्ञान को देने वाली हैं तथा हमारे हृदय में ज्ञान की ज्योति फैलाती हैं ।

इस संसार मोह-माया का एवं अज्ञान रूपी अन्धकार का इस जग से नाश करने वाली हैं । धूप, दीप, फल, एवं मेवा माँ को अर्पण किये जाते हैं । इस जग के अज्ञान रूपी आँखों को खोलकर ज्ञान रूपी उजाले की ज्योति फैलाओ । माँ सरस्वती की ये आरती जो भी गाता है, उसका सदा कल्याण होता है तथा वह सुख-ज्ञान एवं भक्ति को पाता है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.